''टाईम इज नाऊ'' फिल्म होगी रिलीज

डाक्यूमेंटरी फिल्म ''टाईम इज नाऊ'' 27 सितम्बर को न्यूयार्क में रिलीज की जा रही ऐसी फिल्म है जिससे प्रत्येक दर्शक प्रेरणा प्राप्त करेगा।

ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े ब्र.कु.विशाल इस फिल्म के निर्माता, निर्देशक हैं। उन्होने फिल्म तैयार करने में तीन वर्ष गहन अध्ययन व परिश्रम किया। इस दौरान 14 देशों में भ्रमण करते हुए अनेकों लोगों से साक्षात्कार द्वारा यह जानने का प्रयास किया कि आंतरिक शक्ति ने उन्हें किस प्रकार दु:खी भरी त्रासदियों में सम्बल प्रदान किया। वे बम विस्फोटों, आतंकी हमलों से कैसे बचे, जबकि मौत उनके दरवाजों पर दस्तक दे रही थी।

ब्र.कु.विशाल का कहना है कि ऐसे लोगों ने किसी भी क्षण आशा की किरणों का दामन नहीं छोड़ा। ''टाईम इज नाऊ'' सत्य घटनाओं पर आधारित ऐसी फिल्म है जिसमें उम्मीद, साहस और क्षमा भावना उभरती दिखायी देती है। फिल्म के दर्शकों के लिए सांसद एन्थेनी बेरी की बेटी जो-बेरी के अलावा कत्ल किये गये बच्चों के माँ-बाप, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले में बचे भाग्यशाली व्यक्तियों के प्रसंग भुला पाना कठिन होगा। ये सभी उन प्रश्नों का सटीक उत्तर देते हैं जिन्हें हम जीवन में तलाशते रहते हैं।

समाज के प्रति संवेदनशील बनें वैज्ञानिक

ज्ञानसरोवर। प्रख्यात वैज्ञानिक एवं डी.आर.डी.ओ.के मुख्य नियंत्रक एस.सुंदरेश ने ब्रह्माकुमारीज स्पार्क विंग द्वारा 'समाज निर्माण में शोधकर्ताओं की भूमिका' विषय पर आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहाँ जिस प्रकार आध्यात्मिकता एवं विज्ञान का अद्भुत संतुलन देखने को मिला, उससे लगता है कि काश मैं यहां दो वर्ष पूर्व आ गया होता। इस संस्था में ध्यानाभ्यास पर शोध हो रहे हैं। ध्यानाभ्यास से काफी गजब की सफलता प्राप्त होती है। पहले सेना के जवानों में आत्महत्या या आपस में हिंसा जैसी कुछ घटनाओं के पश्चात उन्हें ध्यानाभ्यास सिखलाया जाने लगा, जिसके पश्चात इस प्रकार की घटनाओं में काफी कमी आई है। आध्यात्मिकता के अभ्यास से हमारी क्षमताओं में काफी वृद्धि हो गई है। असफलता का डर लोगों के मन में बना रहता है लेकिन अध्यात्म हमें बल देता है। अध्यात्म हमें संगठन में मिलकर काम करने की बेहतर क्षमता प्रदान करता है।

दिल्ली से पधारीं ब्र.कु.शुक्ला ने कहा कि सकारात्मक चिन्तन से सुख व शांतिमय समाज की स्थापना करना ही हम सभी का लक्ष्य है। आत्मिक ज्योति बुझने से ही जीवन की मौलिकता व आपसी प्रेम लुप्त हो गया है। आत्म जागृति का कार्य आध्यात्मिक ज्ञान व राजयोग द्वारा ही सम्भव है।

ज्ञानसरोवर। डी.आर.डी.ओ.के मुख्य नियंत्रक एस.सुंदरेश, ब्र.कु.रमेश शाह, ब्र.कु.शुक्ला तथा अन्य मंचासीन हैं।

आई.सी.ए.आर. के सहायक महानिदेशक डॉ.रविन्द्र कुमार ने कहा कि वैज्ञानिकों को समाज के लिए संवेदनशील होना चाहिए। आध्यात्मिक जीवन को अपनाने से आप नि:स्वार्थ होकर काम करते हैं और समाज के लिए उपयोगी बनते हैं।

स्पार्क विंग के अध्यक्ष ब्र.कु.रमेश शाह ने कहा कि हमें लोगों को परिवर्तित तो करना है मगर धार्मिक आधार पर नहीं। बल्कि हमें हिन्दु-मुस्लिम-सिक्ख एवं इसाई को सच्चा धार्मिक इंसान बनाना है। धर्म तो क्षमा करने व मानव-मानव से प्रेम करने की शिक्षा देता है। ब्रह्मा बाबा को साक्षात्कार के माध्यम से यही ईश्वरीय प्रेरणा मिली कि उन्हें एक सुंदर दैवीय गुणों से सम्पन्न समाज बनाना है। आत्मा-अनुभूति सभी को धार्मिक भेदभाव से मुक्त कर आपसी भाईचारे को बढ़ाने का कार्य करती है।

बिहार से पधारे पूर्व मंत्री रामचन्द्र पूर्वे ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था के भाई-बहनें धन्य हैं जो संसार से बुराई को समाप्त करने का कार्य कर रहे हैं। आध्यात्मिक रूप से बेहतर बने बगैर समाज में सुधार संभव नहीं है। यहाँ आकर अनुभव होता है कि अध्यात्म के मार्ग पर चलकर सफलता की ऊंचाइयों को छू सकते हैं। बुराइयों को अच्छाई में बदलने के लिए अध्यात्म का ही सहयोग लेना होगा।

आई.ए.एस. उमाकांत दांगड ने कहा कि सामाजिक लाभ के लिए शोध किए जाएं तो विश्व को लाभ मिलेगा। मानवता का विकास इस संस्था का लक्ष्य है। कृषि के माध्यम से ही हम डालर को पीछे कर सकते हैं और भारत को विश्व में सुपर पावर बन सकता है।

ब्र.कु.सरोज ने स्पार्क की गतिविधियों के बारे में बताया तथा कार्यक्रम का कुशलता पूर्वक संचालन ब्र.कु.गीता ने किया।

मलेशिया में भी चली अध्यात्म की बयार

मलेशिया। छोटे पर्दे के माध्यम से करोड़ों लोगों में अपनी एवं ब्रह्माकुमारी संस्था की विशेष पहचान बना चुकी ब्र.कु.शिवानी एवं सुप्रसिद्ध फिल्म कलाकार सुरेश ओबेराय ने मलेशिया के चार दिवसीय कार्यक्रम के अवसर पर अनेक भाई-बहनों को लाभान्वित किया। उनके आगमन पर भारतीय मूल के नागरिकों के अलावा मलेशियाई नागरिकों के लिए भी दो विशेष कार्यक्रम कुआलालम्पुर व पेनांग में आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में ब्र.कु.शिवानी व ब्र.कु.सुरेश ओबेराय ने जिन विषयों पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किये उनमें ''अपेक्षाओं से स्वीकृति की ओर'', ''महानता का एहसास'' व ''सम्बन्धों में सौहार्द'' आदि शामिल थे। ब्र.कु.शिवानी के सादगी, मधुरता एवं सटीकता से भरे विचार सभी के हृदयों को छू गये। उनकी बौद्धिक परिपक्वता और तर्क संगत अभिव्यक्ति सभी के लिए प्रेरणादायक थी।

ब्र.कु.सुरेश ओबेराय ने स्वपरिवर्तन के प्रसंग सुनाये तो उपस्थित समूह में विश्वास पैदा होता दिखाई दे रहा था कि स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन का जो लक्ष्य ब्रह्माकुमारी संस्था ने तय किया है उसे प्राप्त करने में अब ज्यादा समय नहीं लगेगा। उनका सम्बोधन बुद्धिमत्ता व हास्य का अद्भुत संगम था, जिससे परिवर्तन की ओर कदम बढ़ाने की प्रेरणा मिल रही थी।

ब्र.कु.शिवानी एवं ब्र.कु.सुरेश ओबेराय कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए।

तीन सौ से अधिक ब्रह्माकुमार भाई-बहनों को भी इन दोनों अतिथियों की आध्यात्मिक जीवन यात्रा के मंत्रमुग्ध कर देने वाले अनुभव सुनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। सभी को अहसास हुआ कि दिनचर्या में सामान्य ढंग से आध्यात्मिकता का समावेश किया जा सकता है। नि:संदेह ब्र.कु.शिवानी व ब्र.कु.सुरेश ओबेराय की मलेशिया यात्रा ईश्वरीय परिवार के विस्तार व सेवाओं की अभिवृद्धि करने का आधार बनेगी।

भारत - वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश - 2000 रूपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें।

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।